**सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 145 के अधीन आवेदन पत्र**

**प्रतिभू के विरुद्ध डिक्री के निष्पादन के लिए आवेदन पत्र**

न्यायालय...................

प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं........सन...........

(सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 145 के अधीन)

इन

निष्पादन सं............सन.............

**अबक**  ........ डिक्रीदार

बनाम

**कखग**  .........निर्णीत ऋणी/विरोधी पक्षकार

श्रीमान्

डिक्रीदार निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है

1. यह कि विरोधी पक्षकार अपील की न्यायालय अर्थात् प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश में..................बनाम....... .............वाद सं........................ में डिक्री के निष्पादन में विरोधी पक्षकार सं. 2 के लिए प्रतिभू हो गया और विरोधी पक्षकार सं0 2 के विरुद्ध हुई डिक्री की डिक्रीत रकम..............रुपये निक्षेप का प्रतिभू बन्धपत्र के जरिए स्वयं को आबद्ध किया।
2. यह कि अपील उपर्युक्त विद्वान् अतिरिक्त जिला न्यायाधीश द्वारा तारीख........ ........................को खारिज कर दी गयी।
3. यह कि विरोधी पक्षकार सं. 2 उच्च न्यायालय में द्वितीय अपील में आगे गया किन्त अपील सं.........................................तारीख................... को अंतिम सुनवाई . के पश्चात् संक्षिप्त रूप से खारिज कर दिया गया।
4. यह कि अब डिक्रीदार / अपीलार्थी विरोधी पक्षकार सं. 1 के विरुद्ध डिक्री का निष्पादित किया जाना चाहता है वैकल्पिक तौर पर विरोधी पक्षकार सं. 2 प्रमुख निर्णीत ऋणी के विरुद्ध और प्रयोजनार्थ विरोधी पक्षकार को न्यायालय में समन किया जा सकेगा और उपर्युक्त रकम को जमा करने का आदेश किया जा सकेगा।

**प्रार्थना**

अतएव, यह सादर प्रार्थना की जाती हैं कि विद्वान् न्यायालय को विरोधी पक्षकार को समन करने तथा न्यायालय में डिक्रीत रकम को जमा करने हेतु उन्हें आदेश दिया जाय।

**दिनांक............. डिक्रीदार के लिए अधिवक्ता**